अल्लाह का अपने नेक बन्दे के साथ भलाई करने का इरादा

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

नोट : नीचे दी गई तमाम रिवायते, हदीष का खुलासा है.

1} तिर्मिज़ी | रावी हज़रत अनस रदी.

नबी करीमﷺ ने फरमाया - जब अल्लाह तआला अपने नेक बन्दे के साथ भलाई का इरादा करते हे तो उसे उसके गुनाहो की सज़ा दुनिया ही मे दे देते हे, और जब अल्लाह तआला गुनाहगार बन्दे के साथ बुराई का इरादा फरमाते हे तो उसके गुनाहो की सज़ा को उससे दूर रखते हे यहा तक कि कियामत के दिन उसे उसके गुनाहो का बदला मिलेगा.

वज़ाहत - इसलिये बीमारी, नुकसान, खौफ और गुर्बत से घबराना नहीं चाहिये.

2} अहमद, इब्ने माजा और बैहकी | रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.

नबी करीमﷺ ने एक बीमारी का हाल पूछा आपﷺ ने उससे फरमाया खुश हो जाओ इसलिये कि अल्लाह का फरमान हे बुखार मेरी आग हे, मे दुनिया मे अपने मोमिन बन्दे को उसमे मुब्तला करता हु ताकी कियामत के दिन यह उसके लिये जहन्नम का बदला हो जाये.

3} नसाई व इब्ने माजा | रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अमर रदी.

एक आदमी जो मदीना मुनव्वरा मे पैदा हुआ, मदीना मे ही उसका इन्तिकाल हो गया, नबी करीमﷺ ने उसकी नमाज़े जनाज़ा अदा करने के बाद फरमाया काश! यह पैदाईश की जगह के सिवा किसी और जगह मे मरा होता.

सहाबा (रदी) ने मालूम किया ऐ अल्लाह के रसूल! किस लिये? आपने फरमाया कोई आदमी जब पैदा होने के स्थान के अलावा किसी दूसरे स्थान मे मरता हे तो उसके पैदा होने के स्थान से लेकर उसकी मौत की जगह तक के बराबर उसको जन्नत मे जगह दी जाती हे.